

IASbaba 60 Day plan – Day 20 Geography

Q.1) नदी प्रणाली में पानी की वार्षिक प्राप्ति (annual yield) के आधार पर निम्नलिखित को बढ़ते क्रम में व्यवस्थित करें।

1. गंगा
2. महानदी
3. गोदावरी
4. ब्रह्मपुत्र

सही विकल्प चुनें:

- a) 2-3-4-1
- b) 2-3-1-4
- c) 3-2-4-1
- d) 3-2-1-4

Q.1) Solution (b)

Basic Information:

एस. पी. दासगुप्ता द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार, देश की नदियों में पानी की वार्षिक प्राप्ति 1,858,100 मिलियन क्यूबिक मीटर (केवल भारतीय क्षेत्र में बेसिन क्षेत्र के लिए गणना) है।

प्रत्येक नदी प्रणाली का प्रतिशत योगदान इस प्रकार है।

नदी	प्रतिशत योगदान
ब्रह्मपुत्र	33.8
गंगा	25.2
गोदावरी	6.4
सिंधु	4.3
महानदी	3.6
कृष्णा	3.4
नर्मदा	2.9

Q.2) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. हिमालय की नदियाँ पूर्ववर्ती जल निकासी (antecedent drainage) का उदाहरण हैं।
2. भारतीय नदियों द्वारा लाये गए पानी का 90 प्रतिशत से अधिक पानी अरब सागर में जाता है।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

- a) केवल 1
- b) केवल 2
- c) 1 और 2
- d) न तो 1 और न ही 2

Q.2) Solution (a)

Basic Information:

पूर्ववर्ती नदियाँ (Antecedent rivers):

नदियां जो हिमालय की उत्पत्ति से पहले मौजूद थी और पर्वतों में गड्ढे (gorges) बनाकर अपनी धाराप्रवाह को दक्षिण की ओर ले जाती थी, उन्हें पूर्ववर्ती नदियों के रूप में जाना जाता है।

जल निकासी प्रारूप (Drainage pattern):

- भारतीय जल निकासी को सागरीय उन्मुखीकरण के आधार पर दो प्रमुख जल निकासी प्रणालियों में विभाजित किया गया है। इनमें 1. बंगाल की खाड़ी जल निकासी और 2. अरब सागर जल निकासी शामिल हैं।
- देश का लगभग 77 प्रतिशत जल निकासी क्षेत्र बंगाल की खाड़ी की ओर उन्मुख है तथा देश के 23 प्रतिशत से अधिक जल निकासी क्षेत्र अरब सागर की ओर उन्मुख है।

कथन विश्लेषण:

कथन 1	कथन 2
सत्य	असत्य
सिंधु, सतलुज, अलकनंदा, गंडक, कोसी, ब्रह्मपुत्र के गोरज (gorges) स्पष्ट रूप से संकेत देते हैं कि ये नदियाँ पर्वतों से भी पुरानी हैं। अतः उन्हें पूर्ववर्ती नदियाँ कहा जाता है।	भारतीय नदियों द्वारा लाये गए पानी का 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सा बंगाल की खाड़ी में गिरता है, अरब सागर में नहीं।

Q.3) "सिंगे खबब" (Singge Khabab) निम्नलिखित नदी का नाम है?

- झेलम
- ब्यास
- सिंधु
- रावी

Q.3) Solution (c)

सिंधु नदी (Indus river):

सिंधु नदी 5,182 मीटर की ऊंचाई पर पश्चिमी तिब्बत में कैलाश श्रेणी के हिमनद से मानसरोवर झील के पास निकलती है। यह उत्तर पश्चिम दिशा में 257 किलोमीटर की दूरी के लिए ट्रांस-हिमालय क्षेत्र में सिंगे खबब के नाम से बहती है। आगे यह भारत में प्रवेश करती है तथा लद्दाख और ज़ांस्कर श्रेणियों के बीच समान दिशा में अपना प्रवाह जारी रखती है। प्रमुख सहायक नदियों में झेलम, रावी, ब्यास, सतलुज और चिनाब शामिल हैं।

Q.4) निम्नलिखित को उनके जलग्रहण क्षेत्रों (catchment areas) के आधार पर बढ़ते क्रम में व्यवस्थित करें।

1. महानदी
2. कृष्णा
3. कावेरी
4. गोदावरी

IASbaba 60 Day plan – Day 20 Geography

सही विकल्प चुनें:

- 3-1-2-4
- 3-1-4-2
- 1-3-2-4
- 1-3-4-2

Q.4) Solution (a)

Basic Information:

नदी के नाम	जलग्रहण क्षेत्र
गंगा	861452
सिंधु (भारत में)	321289
ब्रह्मपुत्र	194413
महानदी	141589
गोदावरी	312812
कावेरी	81155
कृष्णा	258948
नर्मदा	98795
तापी	65145
पेन्नैरू	55213
माही	34481
सुवर्णरेखा	19296
साबरमती	21895

Q.5) प्रायद्वीपीय नदियों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

- नर्मदा और तापी स्वयं द्वारा बनाई गई घाटियों में बहती है।
- प्रायद्वीपीय नदियाँ, जो अरब सागर में गिरती हैं, डेल्टा नहीं बनाती हैं, बल्कि केवल ज्वारनदमुखी (estuaries) होती हैं।
- प्रायद्वीपीय जल निकासी प्रणाली हिमालयी जल निकासी से पुरानी है।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

- 1 और 3
- 2 और 3
- 1 और 2
- 1, 2 और 3

IASbaba 60 Day plan – Day 20 Geography

Q.5) Solution (b)

Basic Information:

- प्रायद्वीप नदियाँ हिमालय की नदियों की तुलना में बहुत पुरानी हैं।
- वे गैर-बारहमासी / मौसमी नदियाँ हैं जो वर्षा ऋतु में अधिकतम निर्वहन करती हैं।
- प्रायद्वीपीय नदियों में विभाजित मुख्य जल पश्चिमी घाट द्वारा निर्मित होता है।
- प्रायद्वीपीय नदियाँ परिपक्व अवस्था में पहुँच चुकी हैं तथा लगभग अपने आधार स्तर तक पहुँच चुकी हैं।
- नदियों में चौड़ी और उथली घाटियों की विशेषता है।
- नदी के किनारों में पर सीमित पथ को छोड़कर कोमल ढलान होती है जहाँ भ्रंशपूर्ण रूप से खड़ी ढालें होती हैं।
- बंगाल की खाड़ी में बहने वाली महानदी, गोदावरी, कृष्णा और कावेरी जैसी पूर्व में बहने वाली नदियाँ अपने मुहाने पर डेल्टा बनाती हैं। लेकिन नर्मदा और तापी के साथ-साथ पश्चिमी घाटों से निकलने वाली पश्चिम की बहने वाली नदियों डेल्टा के स्थान पर ज्वारनदमुख (estuaries) बनाते हुए अरब सागर में गिरती हैं।

कथन विश्लेषण:

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	सत्य	सत्य
नर्मदा और तापी स्वयं द्वारा बनाई गई घाटियों में नहीं बहती हैं, बल्कि विंध्य के समानांतर चलने वाली दो भ्रंशीय घाटी में प्रवाहित होती हैं।	नर्मदा और तापी जैसी प्रायद्वीपीय नदियाँ, भ्रंशीय घाटी में कठोर चट्टानों के माध्यम से बहती हैं, जो समुद्र में प्रवेश करने से पहले वितरिकाएँ नहीं बना पाती हैं। इसलिए वे डेल्टा नहीं बना सकती हैं, लेकिन केवल ज्वारनदमुख (estuaries) बनाती हैं।	प्रायद्वीपीय जल निकासी हिमालय की जल निकासी प्रणाली की तुलना में पुरानी है जो व्यापक और उथली घाटियों से स्पष्ट है।

Q.6) भारत में मानसूनी पवनों की प्रमुख विशेषताएं निम्नलिखित में से कौन सी हैं?

1. प्रचलित पवनों की दिशा 120 डिग्री तक स्थानांतरित होती है।
2. प्रचलित पवनों की आवृत्ति 40 प्रतिशत से अधिक होती है।
3. एक महीने में पवन का वेग 3 मील प्रति सेकंड से अधिक हो जाता है।

सही विकल्प चुनें:

- a) केवल 1
- b) 1 और 2
- c) 1 और 3
- d) 1, 2 और 3

Q.6) Solution (d)

Basic Information:

- मानसून बड़े पैमाने पर मौसमी पवन प्रणाली है, जो संसार के विशाल क्षेत्रों में, लगातार एक ही दिशा में, केवल मौसम के परिवर्तन के साथ विपरीत हो जाती है, बहती है।
- पवन प्रणाली का उत्क्रमण मानसूनी जलवायु का प्रमुख चिन्ह है।
- C S Ramage ने भारत में मानसूनी पवनों की निम्नलिखित चार विशेषताओं का सुझाव दिया है।

IASbaba 60 Day plan – Day 20 Geography

- प्रचलित पवन की दिशा को जनवरी और जुलाई के बीच कम से कम 120 डिग्री तक स्थानांतरित होना चाहिए।
- जनवरी और जुलाई में प्रचलित हवा की दिशा की औसत आवृत्ति 40 प्रतिशत से अधिक होनी चाहिए।
- कम से कम एक महीने में परिणामी पवन का वेग 3 मील प्रति सेकंड से अधिक होना चाहिए।
- पांच डिग्री अक्षांश / देशांतर ग्रिड से अधिक या तो हर दो साल में एक या दो महीने में एक चक्रवात - प्रति-चक्रवात अल्टरनेशन में होना चाहिए।

Q.7) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. भारत में मॉनसून वर्षा काफी हद तक पर्वतीय (Orographic) होती है।
2. भारतीय वर्षा मूल रूप से प्रकृति में मूसलाधार (torrential) होती है।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

- a) केवल 1
- b) केवल 2
- c) 1 और 2 दोनों
- d) न तो 1 और न ही 2

Q.7) Solution (c)

Explanation:

- मॉनसूनी वर्षा मोटे तौर पर घटना के रूप में भौगोलिक होती है तथा अवरोधों /पर्वतों से नियंत्रित होती है। हिमालयी और पश्चिमी घाट वर्षा को नियंत्रित करने वाली मुख्य पर्वतीय विशेषताएं हैं। हिमालय हिंद महासागर से नमी से भरी मानसूनी हवाओं को बाधित करता है और उत्तर पूर्वी राज्यों और सिंधु-गंगा-ब्रह्मपुत्र के मैदान में वर्षा का कारण बनता है। इसके अलावा, पश्चिमी घाट अरब सागर से वर्षा वाले बादलों को बाधित करते हैं जिससे इसके पर्वतीय पक्ष पर भारी वर्षा होती है और इसके पीछे की ओर छाया क्षेत्र होता है।
इसलिए कथन 1 सही है।
- भारतीय वर्षा प्रकृति में मूसलाधार होती है। वर्षा ऋतु के 3-4 महीनों में अधिकांश वर्षा प्राप्त होती है। वास्तविक वर्षा के दिन इससे और भी कम हैं।
इसलिए, कथन 2 सही है।

Q.8) दक्षिण कोइल और सुवर्णिखा की जल निकासी, किस जल निकासी प्रारूप के उदाहरण हैं?

- a) वृक्षाकर (Dendritic)
- b) जालीदार (trellised)
- c) अभिकेंद्रीय (Centripetal)
- d) रेडियल (Radial)

Q.8) Solution (d)

Basic Information:

एक विशेष धाराप्रवाह /चैनल के माध्यम से पानी के प्रवाह को जल निकासी (drainage) कहा जाता है। जल निकासी प्रारूप का अर्थ विभिन्न चट्टानी भिन्नताओं, भूगर्भिक संरचना, जलवायु परिस्थितियों और अनाच्छादन (denudational) इतिहास के क्षेत्रों में ज्यामितीय आकृतियों के संदर्भ में स्थानिक व्यवस्था और जल निकासी प्रणाली का रूप होता है।
विभिन्न जल निकासी प्रारूप में शामिल हैं।

IASbaba 60 Day plan – Day 20 Geography

1. जालीदार (trellised) जल निकासी प्रारूप: इस रूप में समानांतर और द्वितीयक सहायक नदियों में प्राथमिक सहायक नदियाँ समकोण पर मिलती हैं। हिमालय के अधिक ऊँचाई वाले क्षेत्रों में प्रमुखता से पाया जाता है।
2. वृक्षाकर (Dendritic) जल निकासी प्रारूप: इस रूप में, तना या मुख्य धारा के विभिन्न व्यवस्थाओं और परिमाणों से सहायक नदियों का नेटवर्क एक पेड़ की शाखाओं और जड़ों जैसा दिखता है। सर्वोत्तम उदाहरणों में कावेरी, महानदी आदि नदी घाटियाँ शामिल हैं।
3. रेडियल (Radial) जल निकासी प्रारूप: इस रूप में, धाराएं केंद्रीय उच्च बिंदु से निकलती हैं। उदाहरणों में रांची पठार में दक्षिण कोयल, सुवर्णरेखा द्वारा गठित जल निकासी प्रारूप शामिल हैं।
4. अभिकेंद्रीय (Centripetal) जल निकासी प्रारूप: इस रूप में, धाराएं एक बिंदु पर परिवर्तित होती हैं जो आमतौर पर एक अवसाद या एक बेसिन होते हैं। सबसे अच्छा उदाहरण नेपाल की काठमांडू घाटी है।
5. वलयकार (Annular) जल निकासी प्रारूप: इस रूप में, मुख्य धारा की सहायक नदियों को एक सर्कल के रूप में विकसित किया जाता है। उत्तरांचल का सोनपेट गुंबद इस प्रकार के प्रारूप का सबसे अच्छा उदाहरण प्रस्तुत करता है।

Q.9) हिरन, बंजर, तवा निम्नलिखित में से किस नदी की सहायक नदियाँ हैं?

- a) कृष्णा
- b) महानदी
- c) नर्मदा
- d) चंबल

Q.9) Solution (c)

Basic Information:

नदी के नाम	सहायक नदी
गंगा	अलकनंदा, पिंडर, मंदाकिनी, धौलीगंगा, रामगंगा, घाघरा, गंडक, कोसी
यमुना	चंबल, केन, सिंध, बेतवा
सिंधु	रावी, चिनाब, ब्यास, झेलम, सतलुज।
महानदी	इब, मंड, हसदो, श्योनाथ, ओंग, जोक, तेल
गोदावरी	मंजरा, पेंगंगा, वैनगंगा, वर्धा, इंद्रावती, सबरी
कृष्णा	कोयना, घाटप्रभा, मालप्रभा, भीमा, तुंगभद्रा, मूसी
कावेरी	हरंगी, हेमवती, शिखा, अर्कवती, लक्ष्मण तीर्थ, कबानी
नर्मदा	हिरन, बरना, कोलार, बरहर, बंजर, शर, तवा, कुंडी
तापी	पूर्णा, बैतूल, पाटकी, गंजाल, डथरनज, बोकाड

Q.10) भारत में शीत ऋतु के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. प्रायद्वीपीय भारत में शीत ऋतु भिन्न होती है।
2. दिसंबर और जनवरी के महीनों के दौरान उत्तर में तीव्र ठंड की स्थिति भूमध्य सागर में उत्पन्न पश्चिमी विक्षोभ का परिणाम होता है।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

IASbaba 60 Day plan – Day 20 Geography

- केवल 1
- केवल 2
- 1 और 2 दोनों
- न तो 1 और न ही 2

Q.10) Solution (b)

Basic Information:

भारत में मौसम:

भारतीय मौसम विभाग (IMD) ने भारत में चार अलग-अलग मौसमों को मान्यता दी है।

- ठंड का मौसम या शीत ऋतु।
- गर्मी के मौसम या ग्रीष्म ऋतु।
- दक्षिण-पश्चिम मानसून का मौसम या वर्षा ऋतु।
- मानसून के पीछे हटने का मौसम या शांत ऋतु (cool season)।

शीत ऋतु नवंबर में आरंभ होती है और मार्च तक जारी रहती है। स्वच्छ आकाश, सुखद मौसम, कम तापमान और नमी, ठंडी और धीमी उत्तरी हवाएं इस मौसम की प्रमुख विशेषताएं हैं।

कथन विश्लेषण:

कथन 1	कथन 2
असत्य	सत्य
20 डिग्री सेंटीग्रेड की समतापीय रेखा पूर्व - पश्चिम दिशा में चलती है, जो लगभग कर्क रेखा के समानांतर है तथा भारत को उत्तरी और दक्षिणी भागों में विभाजित करती है। इस समतापीय रेखा के दक्षिण में शीत ऋतु के दौरान तापमान कभी-कभी 20 डिग्री सेंटीग्रेड से ऊपर होता है। अत्यधिक दक्षिण में तापमान 25 डिग्री सेंटीग्रेड से अधिक हो सकता है। इसलिए, प्रायद्वीपीय भारत में सर्दियों का मौसम अलग नहीं है।	शीत ऋतु के दौरान पश्चिमी अवसाद (western depressions) नामक अवसादों की आमद के कारण मौसम अक्सर टूट जाता है। वे भूमध्य सागर में उत्पन्न होते हैं तथा इराक, ईरान और अफगानिस्तान को पार करने के बाद भारत में प्रवेश करते हैं। वे कभी-कभी उत्तरी भारत में तापमान 5 डिग्री सेंटीग्रेड से कम कर देते हैं।

Q.11) भारत में मानसून की उत्पत्ति और शुरुआत निम्नलिखित कारकों में से किससे संबंधित है?

- तिब्बती पठार का तीव्र तापन।
- हिमालय के दक्षिण में पच्छुआ जेट स्ट्रीम का चलना।
- मेडागास्कर के दक्षिण में एक उच्च दाब क्षेत्र की उपस्थिति।
- समशीतोष्ण क्षेत्रों में चक्रवातों का बनना।

सही विकल्प चुनें:

- 1 और 3
- 1, 2 और 3
- 1, 3 और 4
- 1, 2, 3 और 4

Q. 11) Solution (a)

Basic Information:

IASbaba 60 Day plan – Day 20 Geography

भारत में मानसून की उत्पत्ति और शुरुआत कई कारकों का संयोजन है। उनमें प्रमुख हैं।

- भूमि और पानी में उष्मन और शीतलन की दर में भिन्नता, जो भूमि पर निम्न दाब और समुद्रों पर उच्च दाब बनाने के लिए अग्रणी है।
- तिब्बती पठार के तीव्र उष्मन से ऊर्ध्वाधर हवा की गति और निम्न दाब वाले क्षेत्रों का निर्माण होता है।
- हिमालय के उत्तर में पच्छिमा जेट धाराओं की गति और प्रायद्वीपीय पठार (15 डिग्री उत्तरी अक्षांश) पर पूर्वी जेट धाराओं की उपस्थिति।
- गर्मियों के दौरान गंगा के मैदान पर और सर्दियों के दौरान प्रायद्वीपीय दक्षिण में अंतर-उष्णकटिबंधीय अभिसरण क्षेत्र का स्थानांतरण।
- मेडागास्कर के पूर्व में एक उच्च दाब क्षेत्र की उपस्थिति, लगभग 20 डिग्री दक्षिण अक्षांश पर भारतीय उपमहाद्वीप में मानसून की शुरुआत के लिए अधिक प्रभाव डालते हैं।

Q.12) निम्नलिखित में से कौन सही ढंग से सुमेलित है?

- | नदी | उद्गम |
|----------|----------------------|
| 1. झेलम | वेरीनाग |
| 2. चेनाब | रोहतांग पास |
| 3. रावी | बारा लाचा ला के समीप |
| 4. सतलुज | मानसरोवर-राकस झीलें |

सही विकल्प चुनें:

- 1 और 2
- 2 और 3
- 1 और 4
- 1, 2, 3, और 4

Q.12) Solution (c)

Basic Information:

प्रमुख नदियाँ और उनकी उत्पत्ति।

- | नदी | मूल |
|-----------------|--|
| 1. सिंधु | मानसरोवर |
| 2. चिनाब | बारा लाचा ला दर्रे के समीप |
| 3. रावी | रोहतांग पास के पास |
| 4. व्यास | रोहतांग पास के पास |
| 5. सतलुज | मानसरोवर-राकस झील |
| 6. गंगा | गंगोत्री |
| 7. यमुना | बंदर पूछ छोटी पर यमुनोत्री ग्लेशियर |
| 8. चंबल | महू से 15 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम (विंध्य की जानापाओ पहाड़ियां) |
| 9. सोन | अमरकंटक का पठार |
| 10. दामोदर | छोटानागपुर पठार |
| 11. घाघरा | गुरला मांधाता शिखर |
| 12. ब्रह्मपुत्र | चेमायुंगडांग ग्लेशियर |
| 13. गोदावरी | त्र्यंबक पठार |
| 14. कृष्णा | महाबलेश्वर |
| 15. भीमा | माथेरॉन पहाड़ियों |
| 16. कावेरी | कर्नाटक के कोडागु जिले में ताल कावेरी |
| 17. नर्मदा | अमरकंटक का पठार |
| 18. तापी | मध्य प्रदेश के बैतूल जिले में मुलताई |

Q.13) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. ब्रह्मपुत्र के पास असम में इसके अधिकांश मार्ग के लिए लटकती हुई घाटियां (braided channels) हैं।
2. ब्रह्मपुत्र की तिब्बत क्षेत्र में उच्च ऊंचाई पर पूर्व की ओर जाते समय एक खड़ी ढलान है।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

- a) केवल 1
- b) केवल 2
- c) 1 और 2 दोनों
- d) न तो 1 और न ही 2

Q.13) Solution (a)

Basic Information:

ब्रह्मपुत्र नदी

- ब्रह्मपुत्र, जिसे तिब्बत में यारलुंग त्सांगपो कहा जाता है, अरुणाचल प्रदेश में सियांग / दिहांग नदी और असम में ल्यूट या दिलाओ (Luit or Dilao), एक सीमा-पारीय नदी है, जो तिब्बत, भारत और बांग्लादेश से होकर बहती है।
- तिब्बत के बुरंग क्षेत्र में हिमालय के उत्तरी किनारे पर स्थित मानसरोवर झील क्षेत्र के पास चेमायुंगडुंग ग्लेशियर में इसकी उत्पत्ति के साथ, यह दक्षिणी तिब्बत के माध्यम से महान घाटियों (यारलुंग त्सांगपो ग्रैंड कैन्यन सहित) और अरुणाचल प्रदेश (भारत) में बहती है। यह ब्रह्मपुत्र के रूप में असम घाटी के माध्यम से दक्षिण में बहती है और बांग्लादेश के माध्यम से दक्षिण में जमुना के रूप में बहती है। विशाल गंगा डेल्टा में, यह पद्मा के साथ विलय हो जाती है, बांग्लादेश में गंगा नदी का लोकप्रिय नाम है, और अंत में, पद्मा के साथ विलय के बाद, यह मेघना बन जाती है।

कथन विश्लेषण:

कथन 1	कथन 2
सत्य	असत्य
ब्रह्मपुत्र के पास असम में इसके अधिकांश मार्ग के लिए लटकती हुई घाटियां (braided channels) हैं। नदी चैनलों और रेतीले तटों का निरंतर स्थानांतरण हो रहा है। इसमें बहुत सारी गाद होती है और इसमें बहुत अधिक मात्रा में विसर्पण (meandering) होता है।	ब्रह्मपुत्र दक्षिणी तिब्बत में बहती है और इस यात्रा के अधिकांश भाग के लिए यह दक्षिण में महान हिमालय और उत्तर में कैलाश पर्वतमाला के बीच सिंधु-त्सांगपो संरचना क्षेत्र द्वारा निर्मित अवसाद से गुजरती है। नदी ऊंचाई पर बहने के बावजूद एक कोमल ढलान (खड़ी ढलान नहीं) में बहती है।

Q.14) भारतीय जलवायु संदर्भ में, "अक्टूबर हीट" (October Heat) शब्द किससे संबद्ध है?

- a) हरियाणा में टूठ (stubble) जलने के कारण उत्तर भारत में तापमान में वृद्धि।
- b) राजस्थान में गर्म हवाओं के कारण उत्तर भारत में तापमान में वृद्धि।
- c) उत्तर भारत में मानसून की वापसी के दौरान गर्म और आर्द्र स्थिति।
- d) उत्तर भारत में तापमान व्युत्क्रमण के कारण अत्यधिक गर्मी।

Q. 14) Solution (c)

Explanation:

IASbaba 60 Day plan – Day 20 Geography

भारतीय उपमहाद्वीप में अक्टूबर के महीने में मौसम को 'अक्टूबर हीट' कहा जाता है। अक्टूबर और नवंबर के दौरान दक्षिण की ओर सूर्य की स्पष्ट गति के साथ, मानसून गर्त या उत्तरी मैदानों पर निम्न दाब वाला क्षेत्र कमजोर हो जाता है। यह धीरे-धीरे एक उच्च दाब प्रणाली द्वारा प्रतिस्थापित किया जाता है। दक्षिण-पश्चिम मानसून की हवाएँ कमजोर पड़ जाती हैं और धीरे-धीरे पीछे हटने लगती हैं। अक्टूबर की शुरुआत तक, उत्तरी मैदानों से मानसून वापस आने लगता है। अक्टूबर और नवंबर के महीने गर्म बारिश के मौसम से शुष्क सर्दियों की स्थिति में संक्रमण की अवधि बनाते हैं। मानसून का पीछे हटना स्पष्ट आसमान और तापमान में वृद्धि से चिह्नित होता है। जबकि दिन का तापमान अधिक होता है, रातें ठंडी और सुखद होती हैं। भूमि अभी भी नम होती है और मौसम दिन के दौरान दमनकारी हो जाता है और आमतौर पर 'अक्टूबर गर्मी' के रूप में जाना जाता है।

Q.15) निम्नलिखित में से कौन भारतीय मानसून में विराम का कारण है?

- मॉनसून गर्त (Monsoon trough) का दक्षिणवर्ती स्थानांतरण।
- मॉनसून गर्त (Monsoon trough) का उत्तरवर्ती स्थानांतरण।
- प्रायद्वीपीय पठार से पूर्वी जेट धारा का समाप्त होना।
- उत्तरी मैदानों में एक पछुआ जेट धारा की उपस्थिति।

Q.15) Solution (b)

Explanation:

बारिश के मौसम के दौरान, जुलाई और अगस्त के महीनों में, मानसून के कमजोर होने की कुछ निश्चित अवधि होती है। बादल बनना कम हो जाता है तथा हिमालय बेल्ट और दक्षिणी प्रायद्वीप के बाहर देश में व्यावहारिक रूप से वर्षा बंद हो जाती है। इसे मानसून विराम के रूप में जाना जाता है। माना जाता है कि तिब्बती उच्च (Tibetan high) के टूटने के बाद ही मानसून गर्त (Monsoon trough) उत्तर की ओर स्थानांतरित होता है। विराम की अवधि के दौरान गर्त की धुरी तलहटी में स्थित होती है।

Q.16) निम्नलिखित में से कौन सा "दक्षिणी दोलन" (Southern Oscillation) का वर्णन करता है?

- उत्तरी और दक्षिणी हिंद महासागर पर दाब में उतार-चढ़ाव।
- उत्तरी और दक्षिणी प्रशांत महासागर पर दाब में उतार-चढ़ाव।
- पश्चिमी और पूर्वी हिंद महासागर पर दाब में उतार-चढ़ाव।
- भूमध्यरेखीय भारतीय और प्रशांत महासागरों पर दाब में उतार-चढ़ाव।

Q. 16) Solution (d)

Explanation:

दक्षिणी दोलन प्रशांत और हिंद महासागरों के बीच देखे गए दाब परिवर्तनों के सागरीय प्रारूप को संदर्भित करता है। जब भूमध्यरेखीय दक्षिण प्रशांत पर दाब अधिक होता है, तो यह भूमध्यरेखीय दक्षिण हिन्द महासागर पर निम्न होता है और इसके विपरीत स्थिति में इसका उल्टा होता है। हिंद और प्रशांत महासागरों पर उच्च और निम्न दाब का पैटर्न भूमध्य रेखा के साथ ऊर्ध्वाधर संचलन को जन्म देता है, जो कम दाब क्षेत्र पर अपने बढ़ते आकार और उच्च दाब क्षेत्र पर इसके अवरोही आकार में होता है। इसे वाकर परिसंचरण (Walker circulation) के रूप में जाना जाता है। सर्दियों के दौरान हिंद महासागर पर कम दाब का स्थान मानसून के विकास के लिए अनुकूल माना जाता है। लेकिन इसका पूर्व की ओर स्थानांतरण कम वर्षा या कमजोर मानसून लाता है।

Q.17) निम्नलिखित में से कौन सही रूप से मेल खाता है?

मानसून-पूर्व वर्षा	स्थानीय नाम
1. काल बैसाखी	असम
2. ब्लॉसम वर्षा (Blossom Showers)	कर्नाटक
3. बोर्डोसिला (Bordoisila)	पश्चिम-बंगाल

IASbaba 60 Day plan – Day 20 Geography

सही विकल्प चुनें:

- 1 और 2
- केवल 2
- 1 और 2
- 1, 2 और 3

Q.17) Solution (b)

Basic Information:

- आम्र वर्षा (Mango showers) मानसूनी-पूर्व वर्षा की घटना का वर्णन करने के लिए बोलचाल की भाषा में है। कभी-कभी ये वर्षा सामान्य रूप से 'अप्रैल की वर्षा' या 'गर्मियों की वर्षा' के रूप में संदर्भित की जाती है।
- ये वर्षा आम तौर पर मार्च से अप्रैल तक होती है, हालांकि उनके आगमन की अक्सर भविष्यवाणी करना मुश्किल होता है। उनकी तीव्रता हल्की वर्षा से लेकर भारी और लगातार गरज के साथ हो सकती है।
- भारत में, बंगाल की खाड़ी के ऊपर आंधी के परिणामस्वरूप आम्र वर्षा होती है।
- उन्हें बंगाल में 'काल बैसाखी' के रूप में भी जाना जाता है, असम में 'बोर्डोविला' के रूप में और कर्नाटक और केरल में 'चेरी ब्लॉसम शावर' या 'काँफी शावर' के रूप में जाना जाता है।

Q.18) पूर्वी जेट धाराओं (Easterly Jet Streams) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

- पूर्वी जेट धाराएं भारत में उष्णकटिबंधीय अवसाद (tropical depressions) को रोकती हैं।
- पूर्वी जेट धाराएं दक्षिण पश्चिम मानसून के मौसम के दौरान दक्षिण की ओर स्थानांतरित हो जाती हैं।

सही कथन चुनें।

- केवल 1
- केवल 2
- 1 और 2 दोनों
- न तो 1 और न ही 2

Q.18) Solution (a)

Basic Information:

- पूर्वी जेट धारा मौसम संबंधी शब्द है जो जून के अंत में शुरू होने वाली ऊपरी स्तर की पवनों का वर्णन करती है और सितंबर की शुरुआत तक जारी रहती है।
- मानसून के दौरान ऊपरी वायुमंडल में विकसित होने वाली पवन का यह मजबूत प्रवाह 15 डिग्री उत्तर में केंद्रित होता है और दक्षिण-पूर्व एशिया से अफ्रीका तक फैला हुआ होता है।
- उष्णकटिबंधीय पछुआ जेट धारा के हिमालय के उत्तर में स्थानांतरित होने के बाद उष्णकटिबंधीय पूर्वी जेट धारा जल्दी अस्तित्व में आती है।
- पूर्वी जेट धारा पूर्व से पश्चिम की ओर प्रायद्वीपीय भारत में 6 - 9 किमी और उत्तरी अफ्रीकी क्षेत्र में बहती है।
- जेट धारा के गठन से ऊपरी वायु परिसंचरण पैटर्न का उलटा परिणाम होता है और मानसून की त्वरित शुरुआत होती है।

कथन विश्लेषण:

कथन 1	कथन 2
सत्य	असत्य
अगस्त और सितंबर के महीने के दौरान, पूर्वी जेट भारत	पूर्वी जेट धारा का कोई स्थानांतरण नहीं होता है। लेकिन

IASbaba 60 Day plan – Day 20 Geography

में उष्णकटिबंधीय अवसाद को रोक देता है।

मानसून की शुरुआत से पहले उत्तर की ओर पछुआ जेट धारा स्थानांतरित होती है।

Q.19) निम्नलिखित में से कौन सी नदी भारत में पश्चिम की ओर बह रही हैं?

1. मांडोवी
2. नेत्रवती
3. कृष्णा
4. बेदती (Bedti)

सही विकल्प चुनें।

- a) 1 और 2
- b) 1 और 4
- c) 1, 2 और 4
- d) 1, 2, 3 और 4

Q.19) Solution (c)

Basic Information:

भारत में पश्चिम की ओर बहती नदियों की सूची:

नर्मदा, तापी, साबरमती, माही, लूणी, मांडोवी, जुआरी, राचोल, कलिनाडी, नेत्रावती, बेदती, शरावती, तार्दी, पन्नाम, भरतपुञ्जा, पेरियार, पम्बा आदि।

Q.20) चंबल के बीहड़ों को भारत में भू-वैज्ञानिक महत्व प्राप्त है। निम्नलिखित में से किस प्रकार की स्थलाकृति चंबल नदी द्वारा बनाई गई है?

- a) जीर्ण स्थलाकृति (Senile topography)
- b) अनुर्वर भूमि स्थलाकृति (Badland topography)
- c) कास्ट स्थलाकृति
- d) नदीय स्थलाकृति

Q.20) Solution (b)

Basic Information:

- अनुर्वर भूमि स्थलाकृति (Badland topography) एक प्रकार का सूखा इलाका होता है, जहाँ हवा और पानी द्वारा नरम तलछटी चट्टानों और क्ले समृद्ध मिट्टी का बड़े पैमाने पर क्षरण हुआ है।
- उन्हें खड़ी ढलानों, न्यूनतम वनस्पति, पर्याप्त रेजोलिथ (regolith) की कमी और उच्च जल निकासी घनत्व की विशेषता होती है।
- कैन्यन, बीहड़, गुल्ली, बट, मेस (mesas), हूडू (hoodoos) और इस तरह के अन्य भूगर्भिक रूप अनुर्वर भूमि होते हैं। उन पर अक्सर पैदल यात्रा करना मुश्किल होता है।
- चंबल नदी ने अपने धारा प्रवाह के साथ व्यापक खड्ड और अनुर्वर (बैडलैंड) स्थलाकृति बनाई है।

Q.21) निम्नलिखित में से किस मामले के संदर्भ में, अक्सर समाचारों में वर्णित "विशेष और विभेदात्मक व्यवहार (S&DT)" वाक्यांश आता है?

- a) क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी
- b) दोहरे कराधान से बचाव हेतु समझौता
- c) वित्तीय कार्रवाई कार्य बल

d) विश्व व्यापार संगठन

Q.21) Solution (d)

- विशेष और विभेदात्मक व्यवहार (S&DT) ऐसे प्रावधान हैं जो विकासशील देशों को विशेष अधिकार देते हैं और जो विकसित देशों को अन्य विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के सदस्यों की तुलना में विकासशील देशों के साथ अधिक अनुकूल व्यवहार करने की संभावना देते हैं। इन विशेष प्रावधानों में, उदाहरण के लिए, समझौतों और प्रतिबद्धताओं को लागू करने की लंबी अवधि और विकासशील देशों के लिए व्यापार के अवसरों को बढ़ाने के उपाय शामिल हैं।
- विकसित और विकासशील सदस्यों के बीच विकास के असमान स्तर के कारण सभी विकासशील सदस्यों को S&DT दिया जाता है।

Q.22) शिरुई लिली महोत्सव (Shirui lily Festival) किस राज्य में मनाया जाता है

- a) त्रिपुरा
- b) मणिपुर
- c) मिजोरम
- d) मेघालय

Q.22) Solution (b)

- शिरुई लिली महोत्सव का आयोजन मणिपुर के उखरूल जिले में किया जा रहा है, जहां अक्टूबर के दौरान फूल पूरी तरह खिल जाते हैं।
- शिरुई लिली समुद्र तल से लगभग 8,500 फीट की ऊंचाई पर उगती है। इसे 1989 में मणिपुर के राज्य पुष्प के रूप में घोषित किया गया था। फूल को आज एक लुप्तप्राय प्रजाति माना जाता है।
- दुर्लभ, गुलाबी-सफेद फूल केवल इस क्षेत्र में पाए जाते हैं, और सिरॉय लिली, या लिलियम मैकलिना के रूप में भी जाना जाता है।

Q.23) गगन सक्षम नेविगेशन और सूचना उपकरण हेतु नाविक उपकरण (GEMINI), निम्नलिखित में से कौन सी जानकारी मछुआरे को प्रदान करता है?

1. आपदा की चेतावनी
2. हवाओं, लहरों, समुद्र की धाराओं, पानी के तापमान पर पूर्वानुमान
3. समुद्रों में मछली एकत्रीकरण के संभावित स्थान

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

- a) केवल 1 और 2
- b) केवल 3
- c) केवल 2 और 3
- d) 1, 2 और 3

Q.23) Solution (d)

- गगन सक्षम नेविगेशन और सूचना उपकरण हेतु नाविक उपकरण (GEMINI) मछुआरों की सहायता के लिए है। उपकरण को आपदा की चेतावनी, महासागरीय स्थितियों के पूर्वानुमान (OSF) और मछुआरों को संभावित मत्स्य पालन क्षेत्र (PFZ) के मानचित्रण पर आपातकालीन सूचना और संचार के प्रभावी प्रसार के लिए विकसित किया गया है।
- पीएफजेड एडवाइजरी समुद्र में मछली एकत्रीकरण पर संभावित स्थानों की जानकारी प्रदान करती है, ओएसएफ समुद्र की सटीक स्थिति प्रदान करती है। महासागरीय स्थितियों के पूर्वानुमानों में हवाओं, लहरों, समुद्र की धाराओं, पानी के तापमान आदि पर पूर्वानुमान शामिल हैं।

IASbaba 60 Day plan – Day 20 Geography

- भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (AAI) के साथ भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र (INCOIS) GAGAN (GPS एडेड जियो ऑगमेंटेड नेविगेशन) उपग्रह प्रणाली का उपयोग कर रहा है, जो तीन भू-समकालिक उपग्रहों (जीसैट -8, जीसैट -10 और जीसैट -15) से मिलकर GAGAN प्रणाली मछुआरों को PFZ, OSF और आपदा चेतावनियों को प्रेषित करता है।
- इस उपकरण का दोष केवल यह है कि यह एक तरफ़ा संचार की अनुमति देता है यानी मछुआरे कॉल नहीं कर सकते हैं।

Q.24) हाल ही में समाचारों में देखा गया 'सफल कार्बन मूल्य निर्धारण के लिए FASTER सिद्धांत' किसके द्वारा संयुक्त रूप से विकसित किया गया है

- a) विश्व बैंक तथा आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (OECD)
- b) आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (OECD) तथा संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण
- c) संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण और UNFCCC सचिवालय
- d) UNFCCC सचिवालय और विश्व बैंक

Q.24) Solution (a)

- सफल कार्बन मूल्य निर्धारण के लिए FASTER सिद्धांत, विश्व बैंक तथा आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) द्वारा संयुक्त रूप से विकसित एक गाइड, सफल कार्बन मूल्य निर्धारण की छह प्रमुख विशेषताओं को दूर करता है।
- निम्नलिखित छह विशेषताएं हैं
 - निष्पक्षता
 - नीतियों और उद्देश्यों का संरेखण
 - स्थिरता और भविष्यवाणी
 - पारदर्शिता
 - दक्षता और लागत प्रभावशीलता
 - विश्वसनीयता और पर्यावरणीय अखंडता

Q.25) वैश्विक डाक संघ (Universal Postal Union- UPU) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी है।
2. यह विश्व भर में सबसे पुराना अंतरराष्ट्रीय संगठन है, जिसे 1874 में बर्न की संधि द्वारा स्थापित किया गया था।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा गलत है / हैं?

- a) केवल 1
- b) केवल 2
- c) 1 और 2 दोनों
- d) न तो 1 और न ही 2

Q.25) Solution (b)

कथन 1	कथन 2
सत्य	असत्य
वैश्विक डाक संघ (UPU) संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी है। भारत 1876 में यूपीयू में शामिल हुआ। यूपीयू का मुख्यालय बर्न, स्विट्जरलैंड में स्थित है और इसमें 192 सदस्य देश शामिल हैं। यह अंतरराष्ट्रीय मेल एक्सचेंज के	UPU बर्न की संधि द्वारा स्थापित किया गया था। यह 1874 में स्थापित किया गया था तथा अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ (1865) के बाद संसार भर में दूसरा सबसे पुराना अंतरराष्ट्रीय संगठन है।

लिए नियमों को फ्रेम करता है और डाक क्षेत्र के अभिकर्ताओं के बीच सलाहकार, मध्यस्थता और संपर्क भूमिका निभाता है। यह अंतरराष्ट्रीय मेल एक्सचेंजों के लिए नियम निर्धारित करता है तथा क्षेत्र के विकास को प्रोत्साहित करने के लिए सिफारिश करता है।

Q.26) प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (PM-JAY) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. PM-JAY सेवा के बिंदु पर लाभार्थी के लिए स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं तक कैशलेस (नकदरहित) पहुंच प्रदान करती है।
2. संपूर्ण परिवार अपने आकार के बावजूद योजना के तहत लाभार्थी इकाई है।
3. राष्ट्रीय स्तर पर इसे राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के एक संबद्ध कार्यालय द्वारा पूर्ण कार्यात्मक स्वायत्तता के साथ लागू किया गया है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

- a) केवल 1 और 2
- b) केवल 3
- c) केवल 1 और 3
- d) 1, 2 और 3

Q.26) Solution (d)

- आयुष्मान भारत, भारत सरकार की एक प्रमुख योजना, यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज (यूएचसी) की दृष्टि को प्राप्त करने के लिए, जिसमें दो अंतर-संबंधित घटक शामिल हैं, जो हैं -
 - स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र (HWCs)
 - प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (PM-JAY)
- PM-JAY की मुख्य विशेषताएं
 - PM-JAY पूरी तरह से सरकार द्वारा वित्तपोषित विश्व की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा / आश्वासन योजना है।
 - यह भारत में सार्वजनिक और निजी समान अस्पतालों में माध्यमिक और तृतीयक देखभाल के लिए अस्पताल में भर्ती हेतु प्रति परिवार प्रति वर्ष 5 लाख रुपये का एक कवर प्रदान करता है।
 - 10.74 करोड़ से अधिक गरीब और कमजोर हकदार परिवार (लगभग 50 करोड़ लाभार्थी) इन लाभों के लिए पात्र हैं।
 - PM-JAY सेवा के बिंदु पर लाभार्थी के लिए स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं को कैशलेस पहुंच प्रदान करता है, जो सीधे अस्पताल में दिया जाता है।
 - PM-JAY चिकित्सा उपचार पर भयावह खर्च को कम करने में मदद करता है जो हर साल लगभग 6 करोड़ भारतीयों को गरीबी में धकेलता है।
 - इसमें अस्पताल में भर्ती होने के पूर्व 3 दिन तथा निदान और दवाओं जैसे अस्पताल में भर्ती होने के 15 दिन तक के खर्च शामिल हैं।
 - परिवार के आकार, आयु या लिंग पर कोई प्रतिबंध नहीं है।
 - पहले से मौजूद सभी स्थितियां पहले दिन से ही शामिल होती हैं।
 - योजना के लाभ पूरे देश में पोर्टेबल हैं यानी एक लाभार्थी कैशलेस उपचार का लाभ उठाने के लिए भारत के किसी भी सार्वजनिक या निजी अस्पताल में जा सकता है।
 - सेवाओं में उपचार से संबंधित सभी लागतों को शामिल करने वाली लगभग 1,393 प्रक्रियाएं शामिल हैं, जिसमें दवाओं, आपूर्ति, नैदानिक सेवाओं, चिकित्सकों की फीस, कमरे के शुल्क, सर्जन शुल्क, ओटी और आईसीयू शुल्क आदि शामिल हैं।
 - सार्वजनिक अस्पतालों को निजी अस्पतालों के साथ स्वास्थ्य सेवाओं के लिए प्रतिपूर्ति की जाती है।

IASbaba 60 Day plan – Day 20 Geography

- राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) आयुष्मान भारत पीएम-जेएवाई को लागू करने के लिए उत्तरदायी शीर्ष निकाय है। पूर्ण कार्यात्मक स्वायत्तता के साथ स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय का एक संलग्न कार्यालय, एनएचए एक शासी बोर्ड द्वारा संचालित होता है जिसकी अध्यक्षता केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री करते हैं। इसकी अध्यक्षता एक मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ), भारत सरकार के सचिव रैंक का एक अधिकारी करता है, जो इसके मामलों का प्रबंधन करता है।

Q.27) उच्च पर्वतीय शिखर सम्मलेन, 2019 (High Mountain Summit) का आयोजन किसके द्वारा किया गया था

- a) विश्व मौसम विज्ञान संगठन
- b) पर्वतीय अनुसंधान पहल
- c) एकीकृत पर्वतीय विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय केंद्र
- d) माउंटेन पार्टनरशिप

Q.27) Solution (a)

- विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO) ने स्विट्जरलैंड के जिनेवा में अपने मुख्यालय में 29 से 31 अक्टूबर 2019 तक उच्च पर्वत शिखर सम्मेलन का आयोजन किया।
- इसका उद्देश्य उच्च-स्तरीय संवाद को बढ़ावा देना तथा निर्णय निर्माताओं और स्थानीय अभिकर्ताओं को विज्ञान आधारित, उपयोगकर्ता-संचालित ज्ञान और सूचना प्रणालियों को विकसित करना है जो पर्वत और तलहटी क्षेत्रों में स्थायी विकास और जोखिम में कमी का समर्थन करते हैं।

Q.28) मास्को घोषणा कभी-कभी समाचारों में दिखाई देती है, जिसका उद्देश्य किसको समाप्त करना है

- a) उष्णकटिबंधीय उपेक्षित रोगों (Neglected diseases) को
- b) तपेदिक
- c) हृदय रोग
- d) मानसिक विकार

Q.28) Solution (b)

- वैश्विक लक्ष्य 2035 तक तपेदिक (टीबी) को समाप्त करने के लिए बहु-क्षेत्रीय जिम्मेदारी तय करने के लिए मास्को घोषणा जोर देती है। यह टीबी को समाप्त करने के लिए बहु-क्षेत्रीय जवाबदेही ढांचे की आवश्यकता को स्वीकार करता है, जो राजनीतिक और तकनीकी दोनों हैं।
- 2017 में टीबी को समाप्त करने के पहले वैश्विक मंत्रिस्तरीय सम्मेलन का परिणाम मास्को घोषणा में टीबी को समाप्त करने का लक्ष्य रखा गया था।

Q.29) निम्न में से कौन सी ममल्लापुरम की स्थापत्य विरासत हैं?

1. गंगा का अवतरण
2. ओल्कननाश्वरा मंदिर
3. बृहदेश्वर मंदिर
4. वराह गुफा
5. पंच रथ

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

- a) केवल 1 और 5
- b) केवल 2, 3 और 4
- c) केवल 1, 2, 4 और 5
- d) 1, 2, 3, 4 और 5

Q.29) Solution (c)

IASbaba 60 Day plan – Day 20 Geography

- पल्लवों ने कांचीपुरम से शासन किया तथा 7 वीं शताब्दी में नरसिंहवर्मन (630-688 CE) के शासन के तहत मामल्लपुरम को 'स्वर्ग शहर' बनाया, जिसे मामल्ल के नाम से भी जाना जाता है।
- इस शहर में 7 वीं और 8 वीं शताब्दी के धार्मिक स्मारकों का संग्रह है जिन्हें यूनेस्को ने विश्व धरोहर घोषित किया है।
- कुछ महत्वपूर्ण संरचनाओं में शामिल हैं: ओल्लक्केश्वरा मंदिर, गंगा अवतरण या अर्जुन की तपस्या, वराह गुफा मंदिर और पंच रथ (पांच रथ)।
- बृहदेश्वर मंदिर तंजावुर में है।

Q.30) नीलागिरि शहर के नाम पर एक नई ट्रेपडोर मकड़ी प्रजाति (*Idiops nilagiri*) की खोज की गई है तथा इसका नाम 'ईडियोप्स नीलागिरि' रखा गया है, निम्नलिखित में से कहाँ पाई जाती है?

- a) चिनार वन्यजीव अभयारण्य
- b) मुदुमलाई वन्यजीव अभयारण्य
- c) वायनाड वन्यजीव अभयारण्य
- d) कुलधिया वन्यजीव अभयारण्य

Q.30) Solution (d)

- ओडिशा में नीलागिरि शहर के पास एक पर्णपाती वन में एक नयी ट्रेपडोर मकड़ी की प्रजाति की खोज की गई है। यह कुलधिया वन्यजीव अभयारण्य में पायी गयी थी।
- यह एक मध्यम आकार का मकड़ी है जो लंबाई में लगभग 8-13 मिमी है।
- नीलागिरि शहर के नाम पर एक नई ट्रेपडोर मकड़ी प्रजाति (*Idiops nilagiri*) की खोज की गई है तथा इसका नाम 'ईडियोप्स नीलागिरि' रखा गया है, जहाँ से मकड़ी पायी गई थी।

